TIMES OF INDIA, VARANASI, P. No. - 01

Dt: 17-01-2020

DLW transiting to 'ELW' as diesel loco production decreases

Rajeev Dikshit
@timesgroup.com

Varanasi: After upgradation to produce dual and electric engines in 2016-17, the Diesel Locomotive Works (DLW) has registered a sharp decline in rolling out diesel locomotives in the last three financial years.

On Wednesday, DLW general manager Rajiv Agrawal flagged off the 372th electric locomotive — the 200th electric loco of current financial year against the target of 275 — at a function at a loco test shop in the facility. At the same time, only 28 diesel locomotives, including six for Indian Railways, were manufactured mainly for export or non-railway customers.

Sanjay Gupta

CHANGING TIMES: The 372th electric locomotive flagged off at DLW

Speaking to TOI, principal chief electrical engineer SK Kashyap admitted that DLW has turned to production of electric locos aiming to become a major electric locomotive work unit. "With Indian Railway aiming at 100% electrification, there has been a massive rise in the demand for electric locomotives while the requirement of diesel locomotives has witnessed a sharp decline. Currently available diesel locomotives are sufficient to cater to the need of IR on non-electrified routes," said Kashyap.

He added that DLW will not stop manufacturing diesel locomotives as there is still a demand from various countries and non-railway customers.

In December 2014, Prime Minister Narendra Modi had launched a Rs 213 crore project for expansion and modernisation of DLW to increase the production capacity of high-horse power locomotives.

▶Continued on P 2

Scanned by CamScanner

TIMES OF INDIA, VARANASI, P. No.-02

Dt: 17-01-2020

'Project of diesel-to-electric loco under consideration'

▶Continued from P 1

Automatic high capacity storage system, modern material handling equipment, a new loco assembly shop, and induction of high productivity machines were also part of this expansion project. The initial phase of the project was completed in 2017.

As per the directives of Railway Board, DLW started manufacturing electric locomotive in 2016-17 while conversion of diesel loco into electric locomotives and dual engine production was also started here. The PM had flagged off the first diesel to electric converted engine at DLW in February 2019.

However, the project of diesel-to-electric locomotive conversion and dual engine production project could not gain momentum like electric locomotive production. Kashyap said that these projects are still under consideration.

DLW TURNING INTO ELW?

- **In 2015-16 and 2016-17** the **DLW** produced **317 and 316** diesel locomotives for Indian Railways
- Electric loco production started at **DLW in 2016-17** when two such engines were produced
- **In 2017-18** production of diesel locomotives started reducing. Only **260 engines** were produced while production of electric loco rose to **25**
- **In 2018-19** only **102 diesel** loco were manufactured while number of electric engines produced here reached to 145

Photo: Sanjay Gupta

- In current financial year only **30 diesel** locomotives have been produced so far while **200th** electric loco was rolled out against the target of manufacturing **275 by** March end

PAST GLORY OF DLW

The first diesel electric locomotive was rolled out by DLW on Jan 3, 1964. Since then, DLW has acquired expertise in developing new designs not only to suit transport needs of Railways, but also of non-Railway customers (NRCs) in India and abroad. DLW has so far produced around 8,300 locomotives. In 2016-17, DLW started manufacturing more than one locomotive a day. In 2016-17, DLW bagged the best production unit shield for the 2nd successive year for highest ever loco production in India

Scanned by CamScanner

अमर उजाला, वाराणसी,

दि: 17-01-2020

डीरेका कर्मचारी परिषद चुनाव में आठ सदस्य निर्वाचित

वाराणसी। डीजल रेल इंजन कारखाना के कर्मचारी परिषद का चुनाव बृहस्पतिवार को काफी गहमागहमी के बीच हुआ। शाम को जारी हुए परिणाम में विभिन्न विभागों के प्रतिनिधित्व करने वाले आठ सदस्य निर्वाचित हुए।

वीडी दुबे सुपरवाइजर डिवीजन से, नवीन सिन्हा लेखा से, आलोक वर्मा क्लर्क से, प्रदीप यादव इंजन डिवीजन से, रवि नारायण सिंह स्टोर से, धर्मेंद्र सिंह रेस्ट डिवीजन से, सुशील सिंह लोको डिवीजन से विजयी हुए। जबकि सिविल में अजीमुल हक और विनोद सिंह में बराबर मत होने की वजह से लाटरी निकाली गई। लाटरी के जरिये हुए चुनाव में अजीमुल हक विजयी घोषित किये गए।

अजीमुल हक। आलोक वर्मा। प्रदीप यादव। सुशील सिंह। बीडी दुबे। धर्मेंद्र। रवि नारायण। नवीन सिन्हा।

डीरेका के विभिन्न कार्यस्थलों पर सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक मतदान हुआ। इसके तुरंत बाद ही मतगणना शुरू हुई। चुनाव अधिकारी आरके गुप्ता वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी कर्मशाला ने विजयी प्रत्याशियों की सूची जारी की। उन्होंने कहा कि विजयी इन सदस्यों में से संयुक्त सचिव का चुनाव की तिथि बाद में घोषित की जाएगी। विजयी सदस्यों द्वारा कर्मचारी परिषद के संयुक्त सचिव का चुनाव बाद में किया जाएगा। ब्यूरो

दैनिक जागरण, वाराणसी, पृ. सं-

दि: 17-01-2020

डीरेका में नए कर्मचारी परिषद का गठन

सुशील कुमार सिंह प्रदीप कुमार यादव

जासं, वाराणसी: डीरेका में नवगठित कर्मचारी परिषद का चुनाव गुरूवार को संपन्न हुआ। निर्वाचित आठों विभाग के प्रतिनिधियों में संयुक्त सचिव का भविष्य तय होगा। सुबह से मतदान के बाद शाम तक विजयी सदस्यों के नाम की घोषणा हुई।

सिविल विभाग में बराबरी पर छुटे प्रतिद्वंदियों के किस्मत का फैसला लाटरी सिस्टम से हुआ। स्टोर विभाग से निर्वाचित रवि नारायण सिंह ने विपक्षी अजय सिंह को हराकर दबदबा बरकरार रखा। मुख्य सामग्री अधीक्षक डिपो रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव, चंद्र भूषण चौहान, बजरंगी शर्मा, नितेश सिंह, महेन्द्र मंडल आदि ने रविनारायण सिंह को बधाई दी।

चुने गए आठ सदस्य : वीडी दुबे सुरवाईजर डिवीजन से, नवीन सिन्हा लेखा से, आलोक वर्मा क्लर्क से, प्रदीप यादव इंजन डिवीजन से, रवि नारायण सिंह स्टोर से, धर्मेंद्र सिंह रेस्ट डिवीजन से, सुशील सिंह लोको डिवीजन से विजयी हुए। जबकि सिविल में लाटरी सिस्टम की बदौलत अजीमुल हक को जीत मिली।

राष्ट्रीय सहारा, वाराणसी, पृ. सं.-

दि: 17-01-2020

डीरेका त्रिवर्षीय कर्मचारी परिषद का चुनाव परिणाम घोषित

वाराणसी (एसएनबी)। डीजल रेल इंजन कारखाना का आठ सदस्यीय कर्मचारी परिषद त्रिवर्षीय चुनाव गुरुवार को सम्पन्न हो गया। पूर्वाह्न 10 बजे से शुरू हुआ मतदान अपराह्न पांच बजे तक चला। इसके उपरांत तत्काल मतगणना हुई और चुनाव परिणाम घोषित कर दिया गया। इसमें निर्वाचन क्षेत्र कर्मशाला एक से प्रदीप कुमार यादव, कर्मशाला दो से सुशील कुमार सिंह, कर्मशाला तीन से धर्मेंद्र कुमार सिंह, कर्मशाला चार से विष्णु देव दुबे, भंडार से रवि नारायण सिंह, कार्मिक से आलोक कुमार वर्मा, लेखा एवं चिकित्सा से नवीन कुमार सिन्हा तथा सिविल एवं विविध से अजीमुल हक निर्वाचित किये गये। निर्वाचन अधिकारी एसपीओ आरके गुप्ता व आरके चौधरी के देखरेख में चुनाव सकुशल सम्पन्न कराया गया। कर्मचारी परिषद के संयुक्त सचिव का चुनाव नव निर्वाचित कर्मचारी परिषद सदस्यों में कर्मचारी परिषद सदस्य करेंगे। जिसकी तिथि बाद में घोषित की जायेगी।

Scanned by CamScanner

हिन्दुस्तान
17.01.2020

कर्मचारी परिषद के 8 सदस्य चुने गये

डीरेका

वाराणसी | कार्यालय संवाददाता

डीरेका में कर्मचारी परिषद के सदस्यों का चुनाव गुरुवार को किया गया। आठ विभागों के लिए सुबह 9.30 से शाम 4.30 बजे तक मतदान हुआ। देर शाम परिणाम जारी किया गया। विजयी कर्मचारी नेताओं का स्वागत किया गया। कार्मिक कार्यालय से उन्हें प्रमाणपत्र दिया गया।

कर्मशाला-1 से प्रदीप कुमार यादव, कर्मशाला-2 से सुशील कुमार सिंह, कर्मशाला-3 से धर्मेंद्र कुमार सिंह, कर्मशाला-4 से विष्णुदेव दुबे, भंडार विभाग से रविनारायण सिंह, कार्मिक विभाग से आलोक कुमार वर्मा विजयी हुए। लेखा एवं चिकित्सा से नवीन कुमार सिन्हा और सिविल एवं विविध विभाग से मो. अजीमुल हक चुने गये।

इसके पहले आरपीएफ की कड़ी निगरानी के बीच चुनाव कराया गया। विजयी उम्मीदवारों में पांच पहले भी अपने विभागों से सदस्य रहे। विष्णु देव दुबे वर्तमान में संयुक्त सचिव भी हैं। अब नये सदस्य पुनः संयुक्त सचिव का चुनाव करेंगे।

चुनाव के दौरान कर्मचारियों में काफी गहमागहमी दिखी। अंतिम दौर में प्रत्याशी सभी कर्मचारियों से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील करते रहे। इस दौरान परिसर की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही।

डीरेका कर्मचारी परिषद चुनाव में गुरुवार को मतदान से पहले सूची में अपने नाम का मिलान कराता एक मतदाता। • हिन्दुस्तान

मताधिकार का प्रयोग करती महिलाकर्मी।

Scanned by CamScanner